देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी
सूचना प्रोद्द्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2022/rpba/85 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | गुरुवार, 6 अक्तूबर 2022

मात्र 6 महीने मे ही आदर्श नगर ज़ोन मे उपायुक्त मेघराज मीणा युग का अंत!!!

अवैध बिल्डिंगों से जम कर वसूली कर रहे, मेघराज मीणा को भ्रष्टाचार के आरोपो के चलते, दिखाया बाहर का रास्ता!!!

मेघराज मीणा के छह महीने मे ही चले जाने से, अवैध बिल्डिंगों के पेटे लाखों रुपये देने वाले बिल्डरों के छूट रहे पसीने!!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

आदर्श नगर ज़ोन के उपायुक्त रहे मेघराज मीणा ने अपनी जेबें भरने के लिए लगाया नगर निगम को करोड़ो रुपयों के राजस्व का चुना

जैसा कि हम सबको मालूम है कि आदर्श नगर के उपायुक्त रहे श्री मेघराज मीणा का वृहदहस्त अवैध निर्माणकर्ताओं और भूमाफियाओं के सर पर था|यही कारण है कि इस ज़ोन मे सर्वाधिक अवैध निर्माणों की शिकायतें लंबित रही है|ज़ोन कार्यालय मे सुनवाई नहीं होने के कारण कई शिकायतें मुख्यमंत्री कार्यालय तक भी पहुँच चुकी थी|

ज़ोन के उपायुक्त मेघराज मीणा से मिलीभगत के चलते उनके क्षेत्र मे कोई भी बिल्डर अपनी जमीन का भू-उपयोग परिवर्तन करवाने की जहमत नहीं उठाता था, जिससे जहां एक तरफ मेघराज मीणा की जेबे भरती जा रही थी,वही नगर निगम को हर साल करोड़ो रुपयों के राजस्व का चुना लगा|

मात्र 6 महीने मे ही आदर्श नगर ज़ोन मे उपायुक्त मेघराज मीणा युग का अंत!!!

वैसे तो मेघराज मीणा को इस जोन मे आए छह महीने ही हुए थे,लेकिन इन छह महीनों मे ही वह अवैध बिल्डिंगों मे होने वाली कमाई का सारा खेल समझ चुके थे|सूत्रों के अनुसार उनके चेम्बर मे ऐसे बिल्डरों का जमावड़ा लगा रहता था,जो इलाके मे अवैध बिल्डिंगें बनाने के लिए कुख्यात रहे है|

सूत्रों के अनुसार, स्थानीय विधायक महोदय की अनुशंसा पर,मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा ज़ोन उपायुक्त मे विरुद्ध मिल रही शिकायतों की गोपनीय जांच करवाने और मामलो मे सत्यता पाये जाने पर और मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर ही कार्मिक विभाग को उनके तबादले की कार्यवाही अमल मे लानी पड़ी|

मेघराज मीणा के छह महीने मे ही चले जाने से,अवैध बिल्डिंगों के पेटे लाखों रुपये देने वाले बिल्डरों के छूट रहे पसीने!!!

6	श्रीमती रजोता गौतम	अतिरिक्त निदेशक (शिशु), समेकित बाल विकास सेवाऐं, जयपुर	उपायुक्त, परिवहन (प्रवर्तन), जयपुर	रिक्त पद पर
7	श्री अमानुल्लाह खान	अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) न्यायालय, बून्दी	सचिव, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर	श्री किशोर कुमार के स्थान पर
8	श्री रामचन्द्र बैरवा	उप महानिरीक्षक, पंजीयन एवं मुद्रांक, बीकानेर-वृत	सचिव, नगर विकास न्यास, चित्तौड़गढ़	रिक्त पद पर
9	श्री मेघराज सिंह मीणा	उपायुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर	उपायुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर	रिक्त पद पर
0	श्री चेतन चौहान	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् -कम- अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), धौलपुर	अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, धौलपुर	श्री सुदर्शन सिंह तो के स्थान पर

वह कहते है ना कि कुर्सी का कभी भरोसा नहीं होता,यही बात आदर्श नगर जोन मे अवैध बिल्डिंगें बनाने वाले बिल्डरों पर भी लागू होती है|जिन अवैध बिल्डिंगों पर राम किशोर मीणा के समय से निर्माण कार्य चल रहा था,वह बेचारे तो दो बार उपायुक्त की कुर्सी पर न्योछावर चढ़ा चुके है और अब इस टेंशन मे है कि इस कुर्सी पर बैठने वाले नए साहब को भी और चढ़ाने पड़ेंगे नहीं तो प्रोजेक्ट पर तलवार लटक जाएगी|वैसे भी दिवाली का समय नजदीक है ऐसे मे दफ्तर मे हाजिरी तो देनी ही पड़ेगी|जिससे उन पर चौथी मार भी पड़नी तय है|इन बिल्डरों के इस लिए भी पसीने छूट रहे है कि जोन से पहले ही खाईवाली करने वाले कार्मिकों JEN सुदामा यादव,बाबू कान्हा राम मीणा को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है,जिससे जोन मे इनकी जगह आने वाले महाशयों की भी अलग से सेवा करनी पड़ेगी|